सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्ष: 7 ● अंक: 274 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 11 नवम्बर, 2021

अधिक से अधिक भोले, कम ज्ञानी और बच्चों की तरह बनिए। जीवन को मजे के रूप में लीजिये क्योंकि वास्तविकता में यही जीवन है

-ओशो

छठ महापर्व: उदीयमान सूर्य को... 8 | मिशन यूपी: कांग्रेस को नहीं मिल... 3 | अब देश-विदेश में बसे लोग भी... 7


## की थी अयोध्या यात्रा

इसके पहले अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या की यात्रा की थी। साथ ही चुनाव जीतने पर सभी को अयोध्या की यात्रा मुफ्त में कराने का ऐलान भी किया था। यही नहीं उन्होंने धार्मिक स्थलों की यात्रा सूची में अयोध्या का नाम भी शामिल किया है। जिसके तहत दिल्ली सरकार दिल्लीवासियों को अयोध्या की मुफ्त यात्रा करा रही है।

## बहुकोणीय मुकाबले के आसार

उत्तर प्रदेश में आगामी विधान सभा चुनाव में मुकाबला बहुकोणीय होने जा रहा है। एक ओर भाजपा सत्ता बचाने की भरसक कोशिश में लगी है तो दूसरी तरफ कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी अपनी खोई ताकत को पाने में लगी हैं। समाजवादी पार्टी (एसपी) सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन कर सत्ता वापसी में लगी है। वहीं आम आदमी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में अपने राजनीतिक वजूद को बड़ा करने में जुट गई है।

# अरविंद केजरीवाल की यूपी में एंट्री

## 28 को रमाबाई आंबेडकर मैदान में करेंगे रैली, घेरेंगे यूपी सरकार को

» प्रदेश में तिरंगा यात्रा में मिली जन प्रतिक्रिया से उत्साहित है पार्टी का शीर्ष नेतृत्व

» मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ रोजगार पर रहेगा फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के लिए अब आम आदमी पार्टी ने कमर कस ली है। खुद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल इसकी कमान संभालने जा रहे हैं। केजरीवाल 28 नवंबर को लखनऊ के रमाबाई आंबेडकर मैदान में मेगा रैली को संबोधित करेंगे। इसी के साथ वे यूपी चुनाव अभियान का आगाज भी करेंगे। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल न केवल पार्टी के वादों की जानकारी देंगे बल्कि किसान, महंगाई, बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों पर प्रदेश की योगी सरकार को घेरेंगे। विधान सभा चुनाव की जंग जीतने के लिए अब आम आदमी पार्टी मैदान में उतर गयी है।

» यूपी चुनाव अभियान का करेंगे आगाज, तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता और पदाधिकारी

"यूपी चुनाव को जनता के मूल मुद्दों से जोड़ने के लिए आम आदमी पार्टी 28 नवंबर को लखनऊ में महारैली कर रही है। रैली में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल यूपी के लिए हर परिवार को हर महीने 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का संकल्प दोहराएंगे। साथ ही अच्छी और मुफ्त शिक्षा और इलाज की व्यवस्था का रोडमैप बताएंगे। यूपी में बेरोजगारी मिटाने का संकल्प भी लिया जाएगा।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मेगा रैली का आयोजन किया जा रहा है। पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रैली की तैयारियों में जुट गए हैं। इस रैली को अरविंद केजरीवाल संबोधित करेंगे। इस सभा में केजरीवाल किसानों की समस्याओं, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी समेत कई मुद्दों पर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना भी साधेंगे। इसके बाद पार्टी कई अन्य रैलियां करेगी। पार्टी तिरंगा यात्रा के दौरान मिली जन प्रतिक्रिया और व्यापक समर्थन से बेहद उत्साहित है।

**किसानों की समस्याओं और बढ़ती महंगाई समेत कई मुद्दों को लेकर भाजपा पर साधेंगे निशाना**

**आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर**

# कंगना ने आजादी को बताया भीख, वरुण बोले इस सोच को पागलपन कहूं या देशद्रोह

» भाजपा सांसद ने बयान को बताया स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान

» अभिनेत्री ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था 2014 में मिली असली आजादी

» सोशल मीडिया पर भी जमकर हो रही आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेता और सांसद वरुण गांधी ने अभिनेत्री कंगना रनौत के 1947 की आजादी को भीख बताए जाने वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। वरुण गांधी ने ट्वीट कर कहा, कभी महात्मा गांधी जी के त्याग और तपस्या का अपमान, कभी उनके हत्यारे का सम्मान और अब शहीद मंगल पांडेय से लेकर रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का तिरस्कार। इस सोच को मैं पागलपन कहूं या फिर देशद्रोह?

इससे पहले कंगना रनौत ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में 1947 में मिली आजादी और हिंसा का जिक्र करते हुए कहा था कि वह आजादी नहीं बल्कि भीख थी। कंगना इतने पर ही नहीं रुकीं, उन्होंने आगे कहा कि जो आजादी मिली है वह 2014 में मिली है। यही नहीं कंगना के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। लोगों ने कहा कि कंगना हजारों कुर्बानियों को भीख बता रही हैं। गौरतलब है कि अभिनेत्री कंगना रनौत को हाल ही में मोदी सरकार ने पद्मश्री से नवाजा है।

# परिवार और जातिवाद का नेता नहीं जनसेवक चाहिए: स्वतंत्र देव सिंह

» मोदी और योगी के हाथों में देश और प्रदेश सुरक्षित

» कुछ लोग निजी स्वार्थ में कर रहे कृषि कानूनों का विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह परिवार और जातिवाद के नाम पर विपक्षी दलों पर लगातार हमलावर है। एक सादे समारोह में उन्होंने वंशनाद को नकारते हुए जनसेवक को चुनने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष ने भर्तियों में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले पुलिस भर्ती के चयनितों की सूची सैफई से जारी होती थी। वहीं योगी सरकार में चयन का आधार सिर्फ योग्यता है। स्वतंत्र देव ने कहा कि राम के अस्तित्व को नकारने वाले अब अयोध्या में माथा टेक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों का सम्मान हो इसलिए देश और प्रदेश में राष्ट्रवादी सरकार चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसेवा के लिए अपने पिता की अंत्येष्टि में भी नहीं गए। मिर्जापुर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के हाथों में पूरी तरह सुरक्षित है। वह अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने देर रात ओड़ी गांव पहुंचकर अपनी मां से मुलाकात की थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में देश मजबूत हो रहा है। कहा, देश के किसान प्रधानमंत्री के साथ हैं। लेकिन कुछ लोग निजी स्वार्थ के लिए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। दावा किया कि यूपी में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी बहुमत से सरकार बनाएगी।

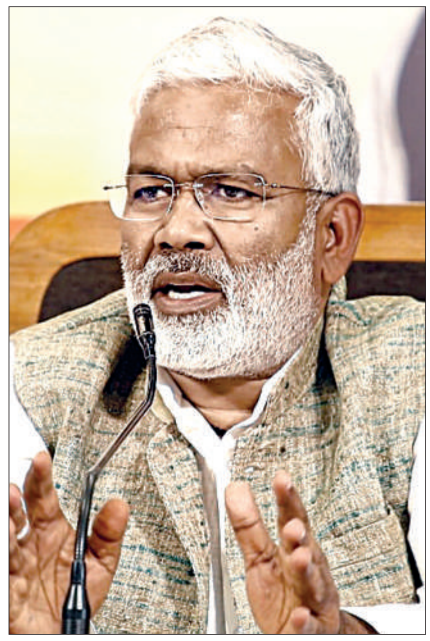

### प्रदेश गुंडाराज से मुक्त

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा चुनाव 2022 में भाजपा तीन सौ से ज्यादा सीटों पर जीत के आंकड़े को लेकर चल रही है। कहा, पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी कर सरकार ने महंगाई पर अंकुश लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश गुंडाराज से मुक्त हो गया है। माफिया अब सुरक्षित ठिकाना ढूंढने लगे हैं। प्रदेश में महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं। एक सवाल के जवाब में कहा कि पार्टी जहां से चुनाव लड़ाएगी, वहां से लड़ेंगे। उन्होंने गांव में आदर्श तालाब में अनियमितता को लेकर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई। समय से कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया।

# जिन्ना भारत के पहले पीएम बनते तो देश का बंटवारा नहीं होता : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया और यूपी सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में है। इस बार सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने जिन्ना पर दिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देकर ये विवाद खड़ा कर दिया है। वाराणसी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि अगर जिन्ना को देश का पहला प्रधानमंत्री बना दिया होता तो देश का बंटवारा न हुआ होता।

बता दें कि यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीती 31 अक्टूबर को हरदोई जिले में एक आयोजित एक रैली में कहा था कि सरदार पटेल, जवाहर लाल नेहरू, महात्मा गांधी और जिन्ना ने मिलकर आजादी की लड़ाई लड़ी और देश को स्वतंत्र करवाया। अखिलेश के इसी बयान पर जब पत्रकारों ने ओमप्रकाश राजभर से उनका पक्ष जाना तो उन्होंने कहा जिन्ना अगर पहले पीएम बनते तो देश का बंटवारा न होता। राजभर यहीं नहीं रुके। सतारूढ़ बीजेपी को सवालों के घेरे में खड़ा करते हुए कहा कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पूर्व डिप्टी प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी तक ने जिन्ना की तारीफ की थी, इसलिए उनके विचारों को भी पढ़ा जाए। बता दें कि पिछले दिनों मऊ में राजभर और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मिलकर एक जनसभा करते हुए आगामी यूपी विधानसभा चुनाव साथ लड़ने का ऐलान किया था।

### बलिया में पूर्व भाजपा एमएलए के बिगड़े बोल

# प्रदेश का मुख्यमंत्री साधु होकर शराब बिकवाता है : राम इकबाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बलिया के पूर्व भाजपा विधायक और उत्तर प्रदेश कोर कमेटी के सदस्य राम इकबाल सिंह ने सीएम योगी आदित्य नाथ को लेकर विवादित बयान दिया है। राम इकबाल सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री योगी साधु होकर शराब बेचता है, तो वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार गृहस्थ होकर शराब बंद किया है। पूर्व विधायक ने यूपी की तुलना बिहार से करते हुए कहा यूपी से बिहार की सड़कें और बीजली अच्छी है।

यूपी के बच्चे पटना में कोचिंग करने जा रहे है। देश में 11 परसेंट लोग की पैसे वाले हुए मगर सरकार 85 परसेंट लोगो को मुफ्त राशन बांट रही है। यानी सरकार के आंकड़े गलत हैं और गरीब ज्यादा है। दरअसल भाजपा के पूर्व विधायक व वर्तमान प्रदेश कोर कमेटी सदस्य ने अपने पिता की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए ये विवादित बातें कही हैं। भाजपा नेता ने कहा मैं वह नेता नही, जो पेट्रोल यानी तेजाब को अमृत कहूं। अमृत वो कहे जो सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। पूर्व विधायक ने कहा मैं योगी से ज्यादा योग्य हूं अगर उनके जगह मुझे मुख्यमंत्री बना दें तो देखिये वह योगी जी फिर नाराज होकर साधु बन जाएंगे। पूर्व विधायक ने ओमप्रकाश राजभर को राजभरों का असली नेता बताया।

# बार एसोसिएशन चुनाव : पहले दिन 32 उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, चुनावी पारा भी चढ़ता जा रहा है। नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन 32 उम्मीदवारों ने अपने पर्चे दाखिल किए। इनमें अध्यक्ष पद पर एक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद और महासचिव पद के लिए 2-2 लोगों ने नामांकन किया। अध्यक्ष पद पर पहले दिन राधाकांत ओझा ने अपना पर्चा भरा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए मनोज कुमार मिश्र और राजेश्वर सिंह ने नामांकन किए। इसी प्रकार से महासचिव पद के लिए अनुराधा सुंदरम और संतोष कुमार मिश्र ने नामांकन किया। अन्य पदों पर भी पर्चे दाखिल किए गए हैं। नामांकन कार्य अभी गुरुवार को भी होगा। हाईकोर्ट बार के चुनाव हेतु नामांकन के साथ ही परिसर में चुनावी पारा भी चढ़ गया है। विभिन्न पदों के प्रत्याशी अपने समर्थकों समेत चुनाव प्रचार में जुटे हैं। सोशल मीडिया का भी जमकर सहारा लिया जा रहा है।

# आध्यात्मिक शक्ति देश की समग्र क्षमता का है आधार : भागवत

» संघ प्रमुख आरएसएस के कार्यक्रम में पहुंचे महाराष्ट्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि देश की समग्र क्षमता का आधार आध्यात्मिक शक्ति पर निर्भर है और साधु-संतों ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाने में अपना महती योगदान दिया है। इससे पहले भागवत हिंगोली जिले के नरसी में 13वीं सदी के संत नामदेव की जन्मस्थली गए।

संघ प्रमुख ने इस मौके पर कहा संत नामदेव ने लोगों को सरल भाषा में धार्मिक जीवन जीने की शिक्षा दी। उन्होंने वारकरी (भगवान विट्ठल) श्रद्धालुओं के संदेश को पंजाब तक पहुंचाया। यह हिंदू समुदाय की शांतिप्रियता और भाईचारे को दर्शाता है। पंजाब के लोगों ने आसानी से संत नामदेव को अपनाया। नामदेव के 61 पद गुरुग्रंथ साहिब में शामिल हैं। श्री गुरु नानक देव जी और गुरु गोविंद सिंह जी ने हमेशा संत नामदेव को सम्मान का स्थान दिया।

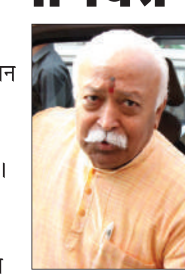

संघ प्रमुख कल औरंगाबाद पहुंचे। वहां 14 नवंबर तक वे विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। संघ प्रमुख का उसके बाद हैदराबाद होते हुए 15 नवंबर को कोलकाता पहुंचने का कार्यक्रम है। गौरतलब है कि इससे पहले मोहन भागवन ने कहा था कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88 फीसदी से घटकर 83.8 फीसदी रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8 फीसदी से बढ़कर 14.24 फीसदी हो गया है। जनसंख्या के असंतुलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए।

# उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी बोली, बीजेपी और कांग्रेस ने प्रदेश को गर्त में धकेला

» स्थापना दिवस के 21वीं वर्षगांठ पर पार्टी ने पूछे बीजेपी-कांग्रेस से 21 सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश के 21वें स्थापना दिवस पर आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की सभी 70 विधानसभाओं में पिछले 21 सालों में बीजेपी कांग्रेस के प्रदेश को गर्त में धकेलने को लेकर हल्ला बोला। आप कार्यकर्ताओं ने दोनों दलों से 21 सवाल पूछते हुए दोनों दलों से सवाल किया।

इस दौरान आप कार्यकर्ताओं ने कहा राज्य में दोनों ही दलों की सरकारों ने बारी उत्तराखंड पर राज किया और आज भी बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, मूलभूत जरूरतों को लेकर उत्तराखंड के लोग परेशान हैं। उन्होंने दोनों दलों बीजेपी कांग्रेस से उत्तराखंड की जनता की तरफ से 21वें स्थापना दिवस पर 21 सवाल पूछे। राजपुर रोड विधानसभा के अंतर्गत आप पार्टी के कार्यकर्ता घंटाघर पहुंचे ,जहां उन्होंने इन्द्र मणि बडोनी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और इसके बाद उन्होंने वहीं खडे होकर बीजेपी कांग्रेस से पिछले 21 सालों में उत्तराखंड को लेकर 21 सवाल पूछे, इस दौरान राजपुर विधानसभा प्रभारी डिंपल सिंह ने स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि, आज प्रदेश को बने हुए पूरे 21 वर्ष हो चुके हैं ,लेकिन जो सपने इस राज्य के लिए देखे गए थे ,वो सपने आज तक पूरे नहीं हुए हैं। आज भी प्रदेश मूलभूत सुविधाओं की राह देख रहा है, आज प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था बदहाल है। महंगाई बेकाबू हो चुकी है, डीजल और पेट्रोल का दाम रोज नए इतिहास लिख रहे हैं। युवा रोजगार के लिए पलायन करने को मजबूर है। भाजपा सरकार, विधायक खरीदने और अपने आलीशान कार्यालय बनवाने में, पैसा पानी की तरह बहा रही है।

# मिशन यूपी : कांग्रेस को नहीं मिल रहे सियासी साथी, बड़े दलों ने किया किनारा

» खुले ऑफर के बाद भी अभी तक नहीं हो सका किसी दल से गठबंधन

» सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी पार्टी, अब छोटे दलों पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने सियासी समीकरण और राजनीतिक गठजोड़ बनाने में जुटी हैं। कांग्रेस भी प्रियंका गांधी के नेतृत्व में प्रदेश का सियासी वनवास खत्म करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। प्रदेश में चुनावी रण में मजबूत किलेबंदी करने के लिए कांग्रेस ने गठबंधन के लिए छोटे दलों को खुला ऑफर दे रखा है लेकिन अभी तक कोई भी पार्टी तैयार नहीं है। वहीं बड़े दल कांग्रेस से किनारा कर रहे हैं। इससे शीर्ष नेतृत्व की चिंताएं बढ़ गयी है।

यूपी में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने के लिए कांग्रेस जीतोड़ मेहनत करती नजर आ रही है। सूबे में कांग्रेस की कमान प्रियंका गांधी संभाले हुए हैं और लोकलुभावनी घोषणाएं कर रही हैं। वे कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरने के काम में जोर-शोर से लगी हुई हैं। ऐसे में कांग्रेस कशमकश में फंसी है कि कैसे पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी की छवि और लोकप्रियता को बचाए रखा जाए। 2022 के चुनाव में कांग्रेस बेहतर नहीं कर पाई तो उसका सीधा असर प्रियंका पर पड़ेगा। इसी के मद्देनजर कांग्रेस ने सूबे में गठबंधन के लिए अपने दरवाजे खोल दिए थे। बता दें कि कांग्रेस के यूपी चुनाव ऑब्जर्वर और छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने पिछले दिनों कहा था कि यूपी में अभी हमारा किसी से गठबंधन नहीं लेकिन छोटे दलों को साथ लेकर चलेंगे। गठबंधन के लिए कांग्रेस दरवाजे सभी के लिए खुले हुए हैं। प्रियंका गांधी ने भी लखनऊ दौरे पर गठबंधन के विकल्प खुले रहने की बात कही थी। बसपा से लेकर आरएलडी तक से कांग्रेस के गठबंधन की चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस से गठबंधन के सवाल पर कहा कि हम यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के लिए किसी भी दल के साथ चुनावी समझौता नहीं करेंगे और अकेले ही चुनाव लड़ेंगे। बसपा जनता से गठबंधन करेगी और प्रदेश में सरकार बनाएगी। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी साफ कह चुके हैं कि 2022 के चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे बल्कि छोटे दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सपा और बसपा के पूरी तरह किनारा कर लेने के बाद कांग्रेस की कोशिश पश्चिम यूपी में आरएलडी के साथ तालमेल करने की थी। इस बात को तब बल मिला जब पिछले दिनों आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी से प्रियंका गांधी की लखनऊ एयरपोर्ट पर मुलाकात हुई। ऐसे में यह चर्चा तेज हो गई थी कि कांग्रेस ने जयंत चौधरी को यूपी में गठबंधन करने के लिए राज्यसभा भेजने का आश्वासन दिया है। अब आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने भी साफ कर दिया है कि यूपी में कांग्रेस के साथ उनका कोई तालमेल नहीं होगा बल्कि सपा के साथ गठबंधन की बातचीत चल रही है।

## कांग्रेस के सामने अब क्या है विकल्प

कांग्रेस के सामने अब यही विकल्प बचा है कि उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनावी मैदान में उतरकर किस्मत आजमाए क्योंकि तमाम छोटे दल या तो बीजेपी के साथ हैं या फिर सपा के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रखी है। ऐसे में सिर्फ रघुराज प्रताप सिंह की जनसत्ता पार्टी और भीम आर्मी के चंद्रशेखर बचे हैं। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम है। इनमें ओवैसी के साथ गठबंधन मुश्किल है जबकि चंद्रशेखर अपनी अलग सियासी राह तलाश रहे हैं।

## कांग्रेस के लिए गठबंधन क्यों अहम

गठबंधन की राजनीति के इस दौर में कांग्रेस उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में बिल्कुल अकेले पड़ गई है। कांग्रेस के लिए गठबंधन कितना जरूरी है, इसे बंगाल विधान सभा चुनाव और हाल ही में हुए बिहार में दो सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम से समझ सकते हैं। बंगाल में कांग्रेस का खाता नहीं खुला। वहीं कांग्रेस 2020 के चुनाव में बिहार के कुशेश्वरस्थान सीट पर गठबंधन में लड़ी थी। उसके उम्मीदवार को दूसरा स्थान मिला था लेकिन उपचुनाव में कांग्रेस गठबंधन से अलग होकर लड़ी तो जमानत भी नहीं बचा पाई इसीलिए कांग्रेस यूपी में गठबंधन के लिए बेताब नजर आ रही है।

## सियासी प्रयोग फेल रहे

कांग्रेस यूपी में पिछले तीन दशक से सत्ता से बाहर है, जिसके चलते पार्टी के बड़े नेता पार्टी छोड़कर चले गए हैं और जनाधार भी खिसक गया है। 1989 के बाद से कांग्रेस यूपी में वापसी के लिए तमाम सियासी प्रयोग करती रही है लेकिन सफल नहीं रही। कांग्रेस ने 2017 का विधान सभा चुनाव सपा के साथ लड़ा था। राहुल गांधी-अखिलेश यादव के इस गठबंधन को जनता ने नकार दिया था। सपा 47 और कांग्रेस 7 सीटों पर सिमट गई थी। इससे पहले 1996 में कांग्रेस ने बसपा के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरी थी, जो सफल नहीं रहा। ऐसे ही कांग्रेस यूपी में आरएलडी के साथ भी मिलकर भी चुनावी किस्मत आजमा चुकी है।

# उत्तराखंड में युवा मतदाताओं पर भाजपा का फोकस

» बीजेपी ने दिया युवा प्रदेश-युवा सरकार का नारा

» सिटिंग विधायकों का कटेगा पत्ता, नए को मिलेगा मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड में बीजेपी युवा सीएम, युवा प्रदेश, युवा कैंडिडेट के नारे से एक तीर से तीन निशाने साधने के मूड में है। चुनाव के लिए चार महीने भी नहीं रह गए हैं, तब सियासी हलचलें जोरों पर आ चुकी हैं। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा में यही चर्चा चल रही थी कि क्या आगामी चुनाव मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। इसी बीच इस चर्चा में एक नया एंगल और आ गया है युवा प्रदेश, युवा मुख्यमंत्री के नारे को बूस्ट अप करते हुए बीजेपी विधानसभा चुनाव में अब 'युवा कैंडिडेट' का दांव खेलने जा रही है यानी सिर्फ सीएम ही नहीं बल्कि पूरी की पूरी सरकार पर युवा का टैग लगाने की कवायद है।

यदि ऐसा हुआ तो बीजेपी के मौजूदा सिटिंग विधायकों में से दो दर्जन से अधिक नेताओं का पत्ता साफ हो सकता है। सूत्रों की माने तो युवा मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की तो एक तरह से पुष्टि हो ही चुकी है। अब युवा सरकार को लेकर भी अगर कोई पार्टी लाइन बनती है तो एक निश्चित एज ग्रुप पार कर चुके और पुअर परफॉर्मेंस वाले सिटिंग विधायकों का टिकट कटना तय है। पार्टी सूत्रों की माने तो इंटरनल सर्वे और ऐज लिमिट के दायरे में करीब दो दर्जन से अधिक सिटिंग विधायक सीधे तौर पर आ रहे हैं।

## 'राजनीति तो 50 की उम्र में शुरू होती है'

प्लान है कि 'युवा प्रदेश, युवा मुख्यमंत्री' के नारे को बुलंद करते हुए अब युवाओं को टिकट में भी प्राथमिकता दी जाए। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक आगामी चुनाव में युवाओं को प्राथमिकता देने के संबंध में पार्टी के फोकस की बात कह चुके हैं। इधर, इस मामले में उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पार्टी युवाओं को महत्व देगी लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि जो 60 पार की उम्र के नेता हैं, उन्हें कोई स्थान नहीं मिलेगा। राजनीतिक पारी तो 50 की उम्र के बाद ही शुरू होती है। पार्टी ध्यान रखेगी कि किसे कहां स्थान दिया जाएगा।

## युवाओं और महिलाओं को अधिक टिकट देंगे

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक पार्टी के महासंपर्क अभियान का आगाज करेंगे। पार्टी कार्यालय में एक प्रेस माध्यम से वह पूरे प्रदेश में एक साथ चलाए जाने वाले महासंपर्क अभियान की जानकारी देंगे। कौशिक ने कहा कि एक राजनीतिक दल के एक बड़े नेता ने कहा कि 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देंगे। लखनऊ से देहरादून आते आते ट्रेन धीमी पड़ गई लेकिन भाजपा पहले से अधिक युवा और महिलाओं को टिकट देगी।

## क्या है बीजेपी की टिकट पॉलिटिक्स

उत्तराखंड में मार्च तक नई सरकार अस्तित्व में आ जाएगी। इसके लिए जोड़ तोड़ जोरों पर है। बीजेपी ने दो सीएम बदलकर तीसरे सीएम के रूप में युवा विधायक पुष्कर धामी की ताजपोशी की, तो कांग्रेस ने पांच-पांच प्रदेश अध्यक्ष बनाकर क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने की कोशिश की। इस बीच बीजेपी ने कई इंटरनल सर्वे कराए। इसके आधार पर तय किया गया कि एंटी इनकम्बेंसी को कम करने के लिए कमजोर परफॉर्मेंस वाले सिटिंग विधायकों का टिकट काटा जाएगा। अब बीजेपी इससे भी आगे का प्लान कर रही है।

## प्रवासियों से अपील करेगी भाजपा

आगामी विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने दूसरे राज्यों में रहने वाले प्रवासियों से भी भाजपा के हक में आकर मतदान करने की रणनीति तैयार की है। इसके लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्री या पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों के माध्यम से पार्टी, प्रवासियों से उत्तराखंड आकर चुनाव में शामिल होने का अनुरोध किया जाएगा।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# महामारी से सबक कब लेगी सरकार

“ सवाल यह है कि क्या कोरोना महामारी की दूसरी लहर में भयावह स्थिति का सामना कर चुकी प्रदेश सरकार ने इससे कोई सबक नहीं सीखा? मच्छरों के जरिए फैल रहे जीका वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम अभी तक क्यों नहीं किए गए? स्वच्छता अभियान की कमान संभाल रहीं नगर पालिकाएं और नगर निगम क्या कर रहे हैं?

*कोरोना महामारी के बीच उत्तर प्रदेश में अब जीका वायरस का खतरा तेजी से बढ़ने लगा है। कानपुर और उन्नाव में अब तक सौ से अधिक लोग खतरनाक जीका वायरस की चपेट में आ चुके हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक मच्छरों के जरिए फैलने वाली इस बीमारी में कोरोना से अधिक मृत्यु दर होती है। वहीं अभी भी जीका वायरस से निपटने के पुख्ता इंतजाम कहीं नहीं दिखायी पड़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या कोरोना महामारी की दूसरी लहर में भयावह स्थिति का सामना कर चुकी प्रदेश सरकार ने इससे कोई सबक नहीं सीखा? मच्छरों के जरिए फैल रहे जीका वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम अभी तक क्यों नहीं किए गए? स्वच्छता अभियान की कमान संभाल रहीं नगर पालिकाएं और नगर निगम क्या कर रहे हैं? शहरों की साफ-सफाई व्यवस्था को आज तक दुरुस्त क्यों नहीं किया जा सका है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरी व्यवस्था को लुंज-पुंज कर दिया है? जानलेवा लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है? कोरोना के खतरे के बीच जीका वायरस के संक्रमण को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा है?*

*पिछले डेढ़ साल से यूपी समेत पूरा देश कोरोना महामारी से दो चार हो रहा है। अब जब कोरोना की रफ्तार कुछ थमी है, यूपी में जीका वायरस का प्रकोप फैलने लगा है। इसकी शुरूआत कानपुर से हुई और यह उन्नाव तक पहुंच चुका है। इसके आगरा और मथुरा तक पहुंचने की आशंका भी जताई जा रही है। अब तक 105 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। जीका वायरस के वाहक एडीज मच्छरों को माना जाता है। ये मच्छर डेंगू बुखार के कारण माने जाते हैं। डेंगू के मच्छर जहां दिन में काटते हैं वहीं जीका वायरस के मच्छर दिन और रात दोनों समय सक्रिय रहते हैं। ये मच्छर जलभराव और गंदगी के कारण पनपते हैं। मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए साफ-सफाई और दवा छिड़काव की जिम्मेदारी नगर पालिकाओं और नगर निगमों के पास है। बावजूद इसके अधिकांश शहरों में न तो साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त की गई है न ही दवा का छिड़काव ही किया गया है। ऐसे में मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि कोराना काल में भयावह मंजर देखने के बाद भी सरकार और प्रशासन ने कोई सबक नहीं सीखा और सब चलता है, की तर्ज पर काम चला रहे हैं। साफ है यदि प्रदेश सरकार महामारी से सबक लेकर अभी भी सक्रिय नहीं हुई और जीका वायरस के मुख्य कारक मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए तो हालात बदतर हो सकते हैं। यह स्थिति प्रदेश के लिए अच्छी नहीं होगी।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# डरी-सहमी क्यों दिख रही है बीजेपी

श्रवण गर्ग

उत्तर प्रदेश को लेकर भाजपा इतनी डरी हुई क्यों नजर आ रही है ? उसकी आक्रामकता के पीछे छुपा भय आत्म-विश्वास के मुखौटे को चीर कर बाहर क्यों झांक रहा है ? पिछले साढ़े सात साल में पहली बार लोगों को पार्टी के नेताओं के चेहरों पर इस तरह का डर दिखाई दे रहा है। पार्टी अपनी सत्ता को लेकर उस समय भी इतनी डरी-सहमी नहीं थी जब पश्चिम बंगाल की चुनावी मुहिम में योगी को हिंदुत्व का चेहरा बनाने के बावजूद उसे नाकामी मिली थी। इस समय तो योगी अपने ही राज्य में हैं। लगता है कि उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों (पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर ) में होने वाले चुनावों के ठीक पहले हिमाचल प्रदेश और राजस्थान सहित तेरह राज्यों की 29 विधान सभा और तीन लोक सभा सीटों के लिए हुए उप-चुनावों के परिणामों ने भाजपा को भीतर से हिला दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के गृह प्रदेश हिमाचल में विधान सभा की तीनों और लोक सभा की मंडी सीट जिस तरह कांग्रेस की जेब में चली गई उसके बाद तो पूरी संभावना थी कि रविवार को नई दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की समापन बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबसे बड़ा हमला ‘एक परिवार पर ही होगा। ऐसा ही हुआ भी। कांग्रेस द्वारा जीती गई मंडी सीट तो भाजपा ने ढाई साल पहले ही चार लाख मतों से जीती थी। इन उप-चुनावों के पहले तक कांग्रेस भाजपा के एजेंडे से लगभग ग़ायब हो चुकी थी। उसका भूत फिर सामने है। प्रधानमंत्री जिस समय कार्यकारिणी को संबोधित कर रहे थे, उनकी पार्टी की चिंताओं के मुख्य केंद्र उत्तर प्रदेश को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। वीडियो में दिखाया गया था कि दीपावली पर हजारों-हजार लीटर सरसों का तेल खर्च कर जिन बारह लाख दीयों से अयोध्या में सरयू नदी के तट को रोशन किया गया था, उनमें अधिकांश के तेज हवा में बुझते ही इलाक़े के सैंकड़ों गरीब बच्चे अपनी ख़ाली बोतलें दीयों के तेल से भरने के लिए उमड़ पड़े। सरसों का तेल इस समय दो सौ से दो सौ पैंसठ रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। उसे खरीद पाना प्रदेश की तीस प्रतिशत जनता के बूते में नहीं है।

भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि चुनाव तो पांच राज्यों में होने जा रहे हैं पर दिल्ली बैठक में सिर्फ़ योगी ही उपस्थित/आमंत्रित थे। शेष शीर्ष पार्टी नेता वीडियो सम्पर्क के जरिए बैठक से जुड़े थे। इतना ही नहीं, कार्यकारिणी में पार्टी के राजनीतिक प्रस्ताव को पेश करने का दायित्व भी योगी को ही सौंपा गया। वर्ष 2017 और 2018 की कार्यकारिणी बैठकों में राजनीतिक प्रस्ताव पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने पेश किए थे। जब इस बाबत निर्मला सीतारमन से सवाल किया गया तो उनका जवाब था, वे (योगी) भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री हैं। वे संसद सदस्य रह चुके हैं। योगी ने कोरोना महामारी के दौरान लोगों की मदद करने में महती भूमिका निभाई है। अत: उनसे राजनीतिक प्रस्ताव क्यों नहीं पेश करवाया जाए ? पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में योगी को दिए गए अतिरिक्त सम्मान को दो नजरियों से देखा जा सकता है। एक तो इन अटकलों के परिप्रेक्ष्य में कि केंद्र और योगी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और दूसरा अमित शाह की

हाल की लखनऊ यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा चुनाव परिणामों को मोदी की सत्ता में वापसी के साथ जोड़कर दिए गए वक्तव्य से। अमित शाह ने कहा था, ’ मोदी जी के नेतृत्व में अगला लोक सभा का चुनाव जीतना है 24 (2024) में , उसकी नींव डालने का काम उत्तर प्रदेश का 22(2022) का विधान सभा (चुनाव) करने वाला है। यह मैं यू पी की जनता को बताने आया हूं कि मोदी जी को फिर से एक बार 24(2024) में प्रधानमंत्री बनाना है तो 22(2022) में फिर एक बार योगी जी को मुख्यमंत्री बनाना पड़ेगा। तब जाकर ये देश का विकास आगे बढ़ सकता है।’ चुनाव-परिणामों को लेकर पार्टी में व्याप्त शंकाओं-आशंकाओं को अमित शाह की चिंता में भी पढ़ा जा सकता है और कार्यकारिणी में मोदी द्वारा किए गए कार्यकर्ताओं के आह्वान में भी। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आम आदमी और पार्टी के बीच विश्वास का पुल बनें। आलोचक चाहें तो इसका अर्थ यह भी निकाल सकते हैं कि आम आदमी और पार्टी के बीच विश्वास में शायद दरार पड़ गई है और मोदी ने उसे भांप लिया है।

तीन साल बाद होने वाले लोक सभा चुनावों में मोदी को सत्ता में फिर लाने को लेकर जैसी चिंता भाजपा में अभी से व्याप्त हो गई है वैसी आम जनता के बीच क़तई नहीं है। उन राज्यों की जनता में भी नहीं जहां इस वक्त भाजपा सत्ता में है और उनमें से अधिकांश को 2024 के पहले विधान सभा चुनावों का सामना करना है। ऐसे राज्यों की संख्या सोलह है जहां लोक सभा के पहले विधान सभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में लोक सभा की कोई ढाई सौ सीटें हैं। इन राज्यों में केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र आदि शामिल नहीं हैं।

पार्टी को यह आशंका भी हो सकती है कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड (जहां एक-एक करके दो मुख्यमंत्री हाल के महीनों में हटा दिए गए) के विपरीत नतीजों का असर आगे के चुनावों और पार्टी के कार्यकर्ताओं के मनोबल पर पड़ सकता है। शेयर मार्केट की बात और भी अलग है। हिमाचल और राजस्थान के हाल के उप-चुनावों के नतीजों के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री के ‘एक परिवार’ के प्रति कोप को यूं भी समझा जा सकता है कि कम से कम दो सौ लोक सभा सीटें ऐसी हैं जहां कांग्रेस या तो सत्ता में है या वह मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय दल है। इस हकीकत को भाजपा की बड़ी चिंता के रूप में गिना जा सकता है कि अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद वह 2017 की तरह उत्तर प्रदेश में मंदिर और हिंदुत्व को मुख्य चुनावी मुद्दा नहीं बना पा रही है। धर्म के नाम पर अयोध्या में जलवाए गए दीयों के करोड़ों रुपए के तेल को गरीब मतदाताओं ने अपने भूखे पेटों में समा लिया और दिल्ली दरबार को संदेश भी दे दिया।

तो क्या योगी जीत सुनिश्चित करने के लिए हिंदुत्व के अपने एजेंडे पर ही क़ायम रहेंगे जैसे कि संकेत उनकी हाल की पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कैराना की यात्रा से मिलते हैं या अन्य विकल्पों पर भी प्रयोग कर सकते हैं ? वे विकल्प क्या हो सकते हैं ? चुनाव और युद्ध में अब सब कुछ जायज़ हो गया है। आश्चर्य नहीं किया जाना चाहिए अगर सम्भावित विकल्पों पर दबे पांव काम शुरू भी हो गया हो। दांव पर जो लगने वाला है उसे देखते हुए क्या यह ज़रूरी नहीं होगा कि आने वाले तीन महीनों के दौरान उत्तर प्रदेश के हरेक घटनाक्रम पर जनता अपनी पैनी नज़र रखे? ऐसा इसलिए कि भाजपा द्वारा उत्तर प्रदेश में आजमाए जाने वाले नुस्ख़ों/विकल्पों की सफलता-असफलता की फोटो कापियां ही आगे के सारे चुनावों में भी इस्तेमाल होने वालीं हैं।

# दौलत उगाते किसान को भी समृद्ध कीजिए

देविंदर शर्मा

हमें बखूबी पता है कि कोविड महामारी के मायूसी भरे दिनों में कृषि संकटमोचक बनी। इतना ही नहीं, लॉकडाउन के दौरान परिवारों को भोजन की लगातार आपूर्ति होती रही और जो लोग खरीदने लायक नहीं थे, उनको मुफ्त राशन भी मिला और इस खेती ने ही अर्थव्यवस्था के पहिए चलाए रखे। ऐसे वक्त पर, जब वित्तीय वर्ष 2020 की पहली तिमाही में आर्थिकी 23.9 प्रतिशत नीचे फिसली थी जबकि 3.4 फीसदी का सकल मूल्य संवर्धन अर्जित कर कृषि ही एकमात्र चमकता बिंदु रही। पूरे वर्ष के दौरान खेती ने ठोस आधार प्रदान किए रखा। कोविड-19 से पैदा हुए व्यवधानों के बावजूद, जब आर्थिकी के तमाम अन्य क्षेत्र संघर्ष में फंसे थे और आशान्वित करती संभावना की शिद्दत से जरूरत थी, ऐसे में कृषि ने 3.08 करोड़ टन खाद्यान्न पैदा कर रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज करवाया। 2020-21 की यह बंपर उपज पिछले फसल चक्र की बनिस्बत 1.15 करोड़ टन ज्यादा थी। देश में 32.9 करोड़ टन फल, सब्जियां, सुगंधित फूल, मसालों के अलावा 20.4 करोड़ टन दूध और 3.61 करोड़ टन तिलहन का उत्पादन भी हुआ।

सरल शब्दों मे कहें तो किसान ने देश के लिए दौलत उगाई। यह न सिर्फ महामारी के दौरान हुआ बल्कि साल-दर-साल हो रहा है। 1960 के दशक तक आलम यह था कि भारतवासियों को दो जून की रोटी के लाले पड़े रहते थे लेकिन किसानों ने देश को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया। कृषि ने बड़ी कुलांचे भरी और खाद्यान्न उत्पादकता में 1950-51 के मुकाबले 2020-21 तक 6 गुणा लंबी छलांग लगाई है। एक जीवंत खेती वह होती है जो बढ़ती आर्थिक तरक्की के साथ बढ़े। लेकिन यह यकीन करना कि केवल आर्थिक प्रगति के सहारे भूख और कुपोषण की समस्या को हल किया जा सकता है तो यह वहम है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने खुद माना है कि बेशक आर्थिक विकास जरूरी है लेकिन यह अपने आप में भूख और कुपोषण घटाने में गति नहीं ला सकता। ‘द लांसेट’ विज्ञान पत्रिका में छपे एक अध्ययन के मुताबिक विकासशील देशों में आर्थिक विकास दर में 10 फीसदी का इजाफा होने पर भी कुपोषण में ज्यादा से ज्यादा 6 फीसदी की कमी हो पाई है। दूसरी ओर वे देश जिनके नागरिकों को अच्छी खुराक मुहैया है, वहां कुशल और उत्पादक श्रमशक्ति बनती है जो कि उच्च आर्थिक विकास पाने को जरूरी है। वर्ष 1950-51 से लेकर यदि जनसंख्या वृद्धि के हिसाब से देखें तो भारत की आबादी लगभग 4 गुणा बढ़ी है जो 35.9 करोड़ से 140 करोड़ तक पहुंच गई है लेकिन भारतीय कृषि ने न केवल जनसंख्या वृद्धि के मुकाबले अपनी रफ्तार कायम रखी बल्कि ‘माल्थुसियन कैटास्ट्रोफ’ नामक सिद्धांत (उपज से कहीं ज्यादा खाने वाले मुंह) को इस कदर गलत सिद्ध कर दिया कि कल्पनातीत अतिरिक्त अनाज पैदा कर दिखाया। यह इजाफा सिर्फ देश का पेट भरने लायक अन्न पैदा करने तक सीमित नहीं था, इसके अलावा फल, सब्जियां और दूध में प्रति व्यक्ति हुई बढ़ोतरी ने कुपोषण और अपरोक्ष भुखमरी को कम करने में काफी मदद की है। भुखमरी आज भी देश के कुछ भागों में व्याप्त है लेकिन इसके पीछे का कारण खाद्यान्न उत्पादन में कमी न होकर वंचितों तक पंहुच और वितरण की जुड़वां खामियां है। यह मानना पड़ेगा कि भारतीय कृषि में हुए उल्लेखनीय परिवर्तन ने देश की दौलत में योगदान दिया है। बावजूद इसके किसानों की आय में आशातीत बढ़ोतरी नहीं हुई। खेती समृद्धि नहीं बन पाई। खेती से होने वाली आमदनी साल-दर-साल कैसे सिकुड़ती गई, कैसे मुक्त मंडियों ने कृषकों की कमाई हड़प ली है, यह जानने के लिए किसी परिष्कृत अर्थशास्त्र ज्ञान की जरूरत नहीं है। खाद्य एवं कृषि संगठन के वर्ष 2008 के आकलन के मुताबिक भारत के खाद्यान्न उपज का मूल्य लगभग 28,98,02,032 मिलियन डॉलर था, वहीं सकल कृषि उत्पादों की कीमत 40,07,22,025 मिलियन डॉलर रही है। इस मामले में चीन (418541343 मिलियन डॉलर) के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। दूसरे शब्दों में किसान दौलत उगाने वाला है इसलिए आर्थिक नीतिकारों को अपनी सोच में तब्दीली लाने की जरूरत है, वह जिन्हें रिवायती तौर पर यही यकीन रहा है कि केवल व्यापार-धंधे सिर्फ दौलत बनाते हैं। जिस किस्म की आर्थिक असमानता आज व्याप्त है वह इसी पुरानी पड़ चुकी आर्थिक सोच का नतीजा है वरना कोई कारण नहीं कि ऐसे समय पर जब वर्ष 1999 के बाद से सकल कृषि उत्पादों की वार्षिक वृद्धि दर 8.25 प्रतिशत रही है तो आमदनी में किसान सबसे निचले पायदान पर कैसे हो सकता है। अमेरिका में भी वर्ष 2018 में कृषि उत्पादों से होने वाली आय में किसान के हिस्से आने वाला अंश घटकर महज 8 फीसदी रह गया है। भारत में, सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे की नवीनतम रिपोर्ट में खेती से कृषक परिवार की रोजाना आय सिर्फ 27 रुपये आंकी गई है।

यह दिखाने को काफी सबूत हैं कि मुक्त मंडी व्यवस्था ने दुनियाभर में कृषि-आय को किस कदर उजाड़ा है। इसको बदलना होगा। यह तभी संभव है जब हम किसान को मूलत: सिर्फ एक ‘उगाने वाले’ की तरह न लेकर ‘दौलत पैदा करने वाला’ मानें ताकि समृद्धि लाने में उनके योगदान को माकूल कीमत मिल पाए। विश्वभर में खेती से आजीविका चलाने वालों को जिलाए रखने, दौलत पैदा करने में उनकी भूमिका को सम्मान देने के लिए, ऐसी व्यवस्था बनानी पड़ेगी जो किसानों को जिंस का आश्वासित और मुनाफादायक मूल्य की गारंटी सुनिश्चित करे।

# जीका वायरस ऐसे करें बचाव

कोरोना वायरस महामारी के बीच देश में डेंगू और जीका वायरस के मामलों ने हड़कंप मचा दिया है। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में अभी तक जीका वायरस के 105 मामले सामने आए हैं। जीका वायरस संक्रमण एडीज जीन से संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके साथ ही जीका वायरस से संक्रमित गर्भवती महिला से उसके नवजात बच्चे में, वायरस से संक्रमित शख्स के साथ शारीरिक संबंध बनाने और ब्लड ट्रांसफ्यूजन से भी फैल सकता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिर दर्द, त्वचा पर रैशेज, आंख लाल होना (कंजक्टिवाइटिस) और जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं। वहीं ये लक्षण दिखने में 3-12 दिनों तक का समय लग जाता है।

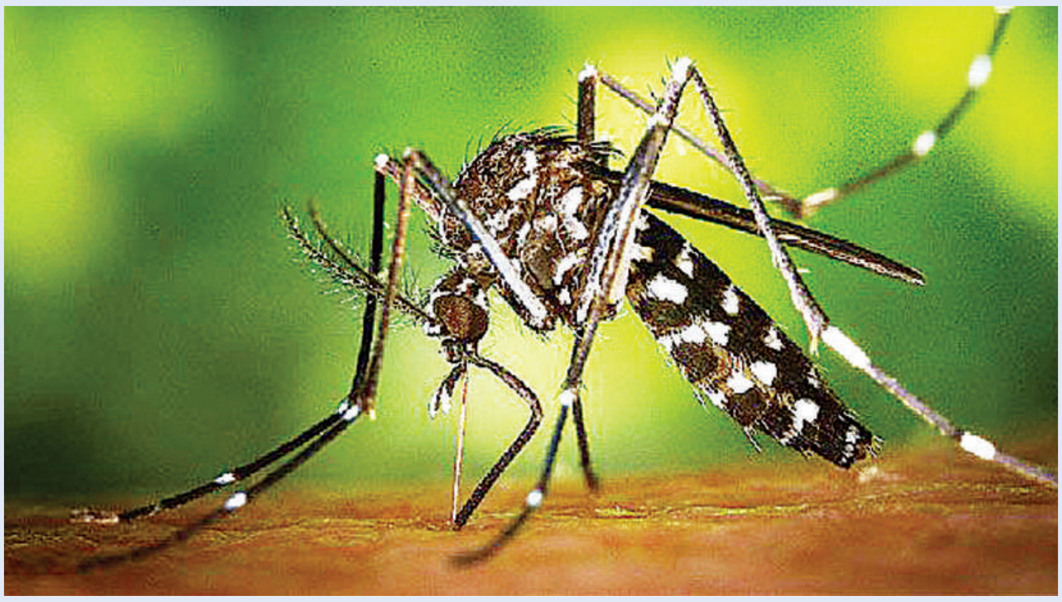

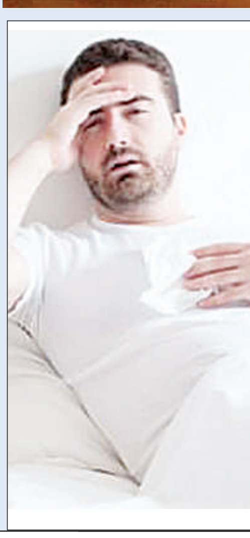

## वायरस से जुड़ी जरूरी बातें

1. गर्भवती महिला अगर जीका वायरस से संबंधित किसी स्थान पर गई है, तो उसकी तुरंत जांच होनी चाहिए।
2. लक्षण दिखने पर इसे नज़रअंदाज़ करने की गलती न करें। फौरन डॉक्टर से संपर्क करें और जांच कराएं। डॉक्टर आपके द्वारा की गई किसी स्थान की यात्रा सहित जो भी सवाल पूछें, उनका बिल्कुल सही जवाब दें, कुछ भी न छिपाएं।
3. अगर जांच में जीका वायरस की पुष्टि होती है तो पूरा इलाज कराएं। किसी भी तरह की लापरवाही आपकी जान ले सकती है।
4. जीका वायरस रक्तदान करने से भी फैलता है इसलिए रक्तदान के समय इस बात ध्यान भी रखा जाता है कि संबंधित इलाके में जीका वायरस का प्रकोप तो नहीं है।

## वायरस से कैसे बचा जा सकता है?

1. अगर कोई पुरुष या महिला ऐसी जगह रहते हैं, जहां जीका वायरस संक्रमण फैला हुआ है, तो उन्हें शारीरिक संबंध बनाने से बचना चाहिए। खासतौर पर ऐसी जगह पुरुषों को गर्भवती महिला से भी शारीरिक संबंध नहीं बनाने चाहिए।
2. अगर महिला गर्भवती है, तो उन जगहों पर जाने से बचना चाहिए जहां जीका वायरस फैला हुआ है। इसमें रोग नियंत्रण और बचाव केंद्र भी शामिल हैं।
3. अगर कोई गर्भवती महिला ऐसे किसी जगह गई भी है, तो उसे तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।
4. जीका वायरस से प्रभावित किसी भी इलाके में जाते समय जरूरी सावधानी बरत न भूलें।

## आसपास करें ये इंतजाम

1. कहीं भी कूड़ा करकट या पानी इकट्ठा न होने दें, क्योंकि इससे मच्छर पनप सकते हैं।
2. दिन में जिस समय मच्छर ज्यादा आते हैं, जैसे सुबह-शाम घर के खिड़की दरवाजे बंद रखें, ताकि मच्छर घर में न आ सकें।
3. घर के अंदर और आसपास के इलाके की भी साफ सफाई का ध्यान रखें।
4. इसके साथ ही जहां मच्छर पनपते हैं, वहां जाने से बचें।
5. घर से बाहर निकलते वक्त ऐसे कपड़े पहनें जिससे हाथ और पैर ढंके रहें, ताकि मच्छर के काटने का डर न हो। मच्छरों से बचने के लिए बाजार में उपलब्ध प्रोडक्ट्स की मदद भी ली जा सकती है। जैसे क्रीम, स्प्रे आदि।

## हंसना मना है

टीचर: बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? स्टूडेंट: बंदर, टीचर: किताब से देख कर बोला है न? स्टूडेंट: नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला।

2 बच्चों की मां तीसरी शादी कर रही थी। फेरों के टाइम एक बच्चा रोने लगा। मां का जवाब सुनकर दूल्हा बेहोश हो गया। मां बोली चुप हो जा नहीं तो अगली बार नहीं लाऊंगी।

एक बाबा किसी महफिल में गए वहां सब उनका मजाक उड़ाने लगे बाबा ने कहा-देखो हम फकीर लोग हैं हमारा मजाक न उड़ाए लोग खूब हंसे...अचानक उन सबको दिखना बंद हो गया। वे अंधे हो गए वो सब बाबा के कदमों में गिर गए बाबा जी हमें माफ कर दो बाबा ने जूता उतारा और सबके एक-एक मारा और बोले लाइट चली गई कोई जेनरेटर ऑन करो मुझे भी दिखाई नहीं दे रहा है।

मास्टर जी: बताओ कौन सी ऐसी चीज है, जो खींचने से छोटी होती है? पप्पू: सर बीड़ी। मास्टर जी: नशेड़ी की औलाद, तू निकल मेरी क्लास से बाहर।

जज: तुमने हवलदार की जेब में माचिस क्यों जलाई? सोनू: सर, हवालदार साहब ने कहा था, जमानत चाहिए, तो जेब गर्म कर, मैंने माचिस जला दी।

## कहानी | कितने ईमानदार

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान? जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाए, यह क्या है? हौज में दूध के बदले पानी। मेरे हुकम का ऐसा अनादर। बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है? बीरबल। ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेष बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते? बादशाह का हुक्म था, इसलिए। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न? बीरबल ने कहा, मतलब? सेठ ने बताया, देखिए... किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया, तो क्या फर्क पड़ता है? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गए। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर, अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या? अकबर ने कहा, नहीं... नहीं...। इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

**शिक्षा: हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।**

## 5 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

**वृषभ**

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान होगा। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

**मिथुन**

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है।

**कर्क**

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

**सिंह**

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें।

**कन्या**

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

**तुला**

दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

**वृश्चिक**

लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें। समय ठीक नहीं है।

**धनु**

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी।

**मकर**

यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है। जीवनसाथी का ध्यान रखें।

**कुम्भ**

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे।

**मीन**

धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है।

# नुसरत भरुचा की हॉरर फिल्म छोरी का रोंगटे खड़े कर देने वाला टीजर रिलीज

विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और अबुदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित छोरी 26 नवंबर 2021 को दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करने के लिए तैयार है। अक्टूबर की शुरुआत में, प्राइम वीडियो ने दर्शकों को अपनी आगामी हॉरर फिल्म छोरी के मोशन पोस्टर के साथ एक विसुअल ट्रीट दी थी और आज निर्माताओं ने टीजर रिलीज कर दिया है, जिसके जरिये छोरी की दुनिया की एक झलक साझा की गई है। टीजर शहर से एक सुनसान गांव तक साक्षी (नुशरत भरुचा द्वारा अभिनीत) के बारे में है, जहां वह सभी पैरानॉर्मल चीजों का अनुभव करती है। यह फिल्म 26 नवंबर को प्राइम वीडियो पर भारत और दुनियाभर के 240 देशों और क्षेत्रों में रिलीज होने के लिए तैयार है। टीजर में रोंगटे खड़े कर देने वाले डरावनी झलक दिखाई गयी है जिसने फिल्म के प्रति सभी को उत्सुक कर दिया है। गांव में उनके द्वारा देखे जाने वाले सभी ड्रामा के पीछे का रहस्य ही छोरी को एक बेहद दिलचस्प वॉच बनाता है। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्णन कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस और शिखा शर्मा द्वारा निर्मित है। इसमें नुसरत भरुचा की मुख्य भूमिका के साथ-साथ मीता वशिष्ठ, राजेश जायस, सौरभ गोयल और यानिया भारद्वाज अहम किरदार निभा रही हैं। निस्संदेह, छोरी एक ऐसी रोमांचक थ्रिलर होने का वादा करती है जिसे दर्शक निश्चित रूप से मिस नहीं करना चाहेंगे। छोरी फिल्म को लेकर दर्शकों को इंतजार है।

बॉलीवुड | मसाला

# दिव्या ने ट्रेडिशनल लुक में लगाया बोल्डनेस का तड़का

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस ओटीटी की विनर रहीं दिव्या अग्रवाल शो खत्म होने के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। उन्होंने अपने अभिनय से तो करोड़ों दर्शकों का दिल जीता ही है, साथ ही फैंस उनकी दिलकश अदाओं के दीवाने रहते हैं। इन दिनों वह लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं। अब दिव्या अपने लेटेस्ट फोटोशूट का चलते सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ट्रेडिशनल लुक में बोल्डनेस का तड़का लगाती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में दिव्या ने साड़ी पहनी हुई है। अपने लुक को और हॉट बनाने के लिए एक्ट्रेस ने ब्लाउज की जगह ब्रालेट कैरी की हुई है। इन तस्वीरों में दिव्या बेहद हॉट लग रही हैं। दिव्या ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ कंप्लीट किया है। साथ ही उन्होंने कानों में बड़े- बड़े झुमके पहने हुए हैं। हेयरस्टाइल की बात करें तो एक्ट्रेस ने बन बनाया हुआ है। दिव्या ने एक साथ तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अलग-अलग दिलकश पोज देती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की तस्वीरों को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं। फैंस यहां उनकी तारीफें करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। बता दें कि दिव्या जब से बिग बॉस ओटीटी से बाहर आई हैं, वह तब से ही लगातार फैंस के बीच छाई हुई हैं। एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग में भी काफी इजाफा हुआ है। वहीं, दिव्या भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया साइट्स पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का तापमान हाई कर देती हैं. फैंस भी उनके लेटेस्ट पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

# अरसे बाद कैमरे के सामने लौटेंगी अभिनेत्री किरण खेर

अपने इलाज के चलते लंबे समय से सामाजिक जीवन से दूर रहीं अभिनेत्री और सांसद किरण खेर जल्द ही छोटे परदे के एक रियलिटी शो में दिखेंगी। किरण खेर टीवी रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और बादशाह के साथ जज के रूप में शामिल होने जा रही हैं। वह इस शो के पहले सीजन से इसके साथ जुड़ी रही हैं। टीवी रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' से किरण खेर इस शो की शुरुआत से ही जुड़ी रही हैं। शो में अपनी वापसी पर किरण बताती हैं, रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। यह इस प्रतिष्ठित टैलेंट रियलिटी शो के साथ मेरा नौवां साल है। जूरी मेंबर के रूप में इस शो में लौटना एक शानदार एहसास है। ऐसा लगता है जैसे मैं घर वापसी कर रही हूं। ये शो साल दर साल देश भर के विविध और असाधारण टैलेंट को बढ़ावा देकर उन्हें सामने लाता रहा है। हर बार मैं इस शो में एक से बढ़कर एक शानदार टैलेंट देख कर दंग रह जाती हूं। किरण कहती हैं, इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व का मौका है, जो सभी को अपना दुर्लभ टैलेंट दिखाने के लिए मंच प्रदान करके उनके सपनों को हकीकत में बदलने का मौका देता है। मैं शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और रैपर बादशाह के साथ इस शो को जज करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। सबसे खास बात, मैं सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मुझे एक बार फिर टीवी रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' जैसे शो का हिस्सा बनने का अवसर दिया। मैं इस नए सफर पर यह देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती कि इस साल इंडिया में क्या-क्या है।

# ये है दुनिया का सबसे महंगा खरबूज, एक किलो की कीमत जानकर रह जाएंगे दंग

दुनियाभर में तमाम तरह के फल और सब्जियां पाई जाती है जिनकी कीमत इतनी होती है कि आम इंसान आसानी से इन्हें खरीद सकता है, लेकिन ऐसा शायद ही कोई फल होगा जिसे आम तो क्या मध्यम वर्ग का इंसान भी न खरीद पाए। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे फल के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे मध्यम वर्ग तो छोड़िए अमीर व्यक्ति भी खरीदने में असमर्थ है। क्योंकि इस फल की कीमत इतनी है जिससे आप एक शानदार आईफोन खरीद सकते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं युबरी प्रजाति के खरबूज की। जिसे दुनिया के इस सबसे महंगे फल के रूप में जाना जाता है। युबरी खरबूज की एक उन्नत किस्म है। इसे दुनिया का सबसे महंगा फल कहा जाता है। कुछ समय पहले दो युबरी खरबूज को नीलाम किया गया। आधे-आधे किलो के इन तरबूजों के बदले बेचने वाले को बीस लाख रुपये मिले थे। यानी ये एक ऐसा फल है जिसे सिर्फ अमीर लोग ही खरीद सकते हैं वह भी जिनके पास बेहिसाब दौलत हो। बता दें कि युबरी खरबूजा हर जगह नहीं उगता। इस फल को सिर्फ जापान में उगाया जाता है। यही नहीं यह काफी कम मात्रा में उगाया जाता है इस वजह से इसे किसी दूसरे देश में नहीं भेजा जाता। इसलिए ये खरबूज सिर्फ जापान में ही मिलता है। सबसे हैरानी की बात तो ये कि इतना महंगा होने के बावजूद जापान में इसकी काफी डिमांड है। ये फल 20 लाख रुपये किलो बिकता है। बावजूद इसके कई लोग इसे खरीदते हैं। इस फल की इतनी कीमत होने की खास वजह है। जहां आम तौर पर फल सूरज की रोशनी में उगते हैं, वहीं युबरी खरबूज सिर्फ ग्रीन हाउस में उगाया जाता है। भारत में सिर्फ खरबूज अपने शुरुआती सीजन में महंगा मिलता है, लेकिन एक समय के बाद ये मार्केट में बीस से तीस रुपये प्रति किलो मिलने लगता है। ऐसे में अगर दोनों खरबूजों की तुलना की जाए तो भारत के खरबूज के मुकाबले में युबरी की कीमत एक लाख गुना ज्यादा है।

अजब-गजब | बीते 60 साल में दो हजार से अधिक जहाज हो चुके हैं क्रैश

# इस स्थान से गुजरने वाले विमान हो जाते हैं क्रैश, बरमूडा ट्राएंगल जैसी है ये जगह

रहस्यों से भरी हमारी पृथ्वी पर तमाम ऐसे स्थान हैं जिन्हें देखकर या उनके बारे में जानकर हर कोई दंग रह जाता है। आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जो बरमूडा ट्राएंगल की तरह है। यानी इस स्थान के ऊपर से गुजरने वाले विमान क्रैश हो जाते हैं। तमाम कोशिश और रिसर्च के बाद आज भी वैज्ञानिक इस रहस्यमयी स्थान की सच्चाई का पता नहीं लगा पाए। वैसे तो पृथ्वी पर एरिया-51 और बरमूडा ट्राएंगल भी रहस्यों से भरे पड़े हैं, जिनके बारे में आज तक कोई ठोस सबूत नहीं दे पाया।

दरअसल, जिस रहस्यमयी जगह की हम बात कर रहे हैं वह पश्चिमी अमेरिका के रेनो, फ्रेस्नो और लास वेगास के बीच स्थित है। इस खतरनाक जगह का नाम नेवाडा ट्रायंगल है। बताया जाता है कि यह जगह बेहद खतरनाक है, क्योंकि इसके ऊपर से निकलने वाले कभी वापस लौटकर नहीं आते। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते 60 साल में इस स्थान पर दो हजार से अधिक जहाज क्रैश हो चुके हैं, जिसमें सैकड़ों पायलटों की मौत हो चुकी है। लोगों का मानना है कि इस क्षेत्र में कोई अदृश्य शक्ति है। यह शक्ति यहां से जाने वाले विमानों को अपनी तरफ खींच लेती है। यहां पर एलियंस के होने की बात भी कही जाती है। लेकिन अभी तक इस राज से पर्दा नहीं उठ पाया है। बता दें कि नेवादा ट्राएंगल का क्षेत्र इंग्लैंड के आधे से भी ज्यादा क्षेत्रफल के बराबर है। इस इलाके में लास वेगास, एरिया-51 और योसेमाइट नेशनल पार्क स्थित हैं। इस इलाके में बड़े पैमान पर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। जिसकी वजह से यहां पर एलियंस के होने की बात लोग करते हैं। लोगों का कहना एलियंस से छेड़छाड़ हो रही है जिसकी वजह ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। वहीं वैज्ञानिकों का मानना है कि इस क्षेत्र में एयर प्रेशर के चलते ये हादसे हो सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस इलाके में जहाज पहाड़ों के ऊपर से उड़ान भरते हैं। इस दौरान अचानक रेगिस्तान जैसी जमीन से एयर प्रेशर समझ में नहीं आती है जिसकी वजह से विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाते होंगे। बता दें कि नेवाडा ट्राएंगल क्षेत्र में विमान क्यों क्रैश हो जाते हैं यह अभी तक राज है। क्योंकि वैज्ञानिक यह साबित नहीं कर पाए हैं कि एयर प्रेशर के कारण ऐसी घटनाएं होती हैं या फिर इनके पीछे कोई और वजह है।

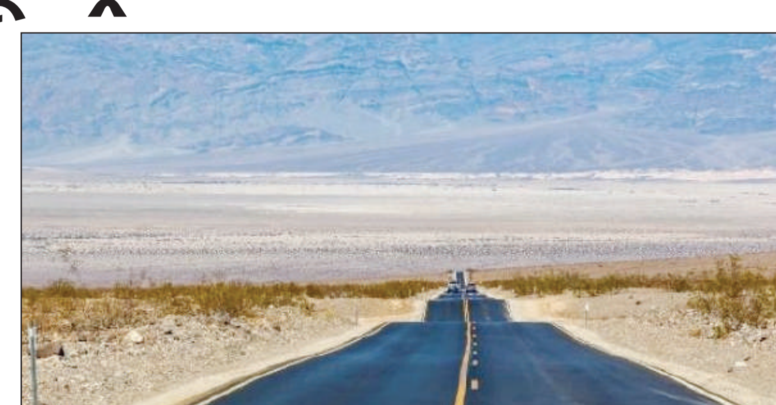

# अब देश-विदेश में बसे लोग भी कर सकेंगे गांवों के विकास में सहयोग

» उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना पर कैबिनेट की मुहर सोसायटी का होगा गठन

» दानदाता व्यक्ति के पसंद की एजेंसी से कराया जाएगा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

## गन्ना मूल्य वृद्धि को भी मंजूरी

पेराई सत्र 2021-2022 के लिए तय किए गए गन्ने के राज्य परामर्शित मूल्य (एसएपी) को भी कैबिनेट में मंजूर कर लिया गया है। प्रदेश सरकार ने इस सत्र के लिए गन्ने का दाम सामान्य प्रजाति के लिए 340 रुपये तथा अगेती प्रजाति के लिए 350 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है।

लखनऊ। देश और विदेशों में बसे लोग भी अब न केवल अपने गांवों के विकास में योगदान दे सकेंगे बल्कि विकास में अपने योगदान की स्मृति के रूप में शिलापट्ट भी लगवा सकेंगे। राज्य सरकार ने बुधवार को इससे संबंधित उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना के प्रस्ताव को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन मंजूरी दे दी।

योजना के तहत देश-विदेश में बसे जो लोग अपने गांव के विकास में योगदान देना चाहते है, उनके लिए प्रदेश सरकार ने ऐसे लोगों को उचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए मातृ भूमि योजना शुरू की है। इसमें गांव के विकास में इच्छुक व्यक्ति या संस्था को परियोजना की 60 प्रतिशत राशि वहन करनी होगी। शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार की ओर से वहन की जाएगी। विकास में सहयोग करने वाले व्यक्ति या संस्था का शिलापट्ट भी लगाया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए मातृ भूमि सोसायटी का गठन भी किया जाएगा। समिति के तहत एक अधिकृत शासी संस्था और कार्यकारी समिति भी गठित की जाएगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित होने वाली समिति में पंचायतीराज मंत्री को उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा जबकि संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव को सदस्य, पंचायतीराज विभाग के एसीएस को सदस्य सचिव नियुक्त किया जाएगा। कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में भी एक सशक्त समिति गठित की जाएगी। इस समिति में संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव या अपर मुख्य सचिव को सदस्य नियुक्त किया जाएगा और पंचायतीराज विभाग के निदेशक को सदस्य सचिव नियुक्त किया जाएगा। योजना के तहत दी जाने वाली 40 प्रतिशत राशि की व्यवस्था संबंधित विभाग के बजट से की जाएगी। मातृभूमि सोसायटी का पंजीकरण कराकर सौ करोड़ रुपये फंड उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उपयोग किसी योजना में राज्यांश का बजट उपलब्ध नहीं होने पर किया जाएगा। दानदाता की पसंद की एजेंसी से कार्य कराया जा सकेगा। तैयार नक्शे को सक्षम अधिकारी की ओर से स्वीकृत किया जाएगा।

# मालगाड़ी पलटी लखनऊ-वाराणसी रूट बाधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पटरी टूटने से हुआ हादसा

जौनपुर। बदलापुर के श्रीकृष्ण नगर रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर पर आज सुबह पटरी टूटने से एक मालगाड़ी के चार डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे अधिकारियों के अनुसार घटना सुबह 7.45 बजे की है।

खाली मालगाड़ी लखनऊ से वाराणसी की तरफ जा रही थी। इसी दौरान अभी बदलापुर रेलवे स्टेशन को क्रास ही की थी कि पटरी टूट जाने से मालगाड़ी सभी पटरी को तोड़ते हुए पलट गई। हादसा इतना जोरदार था कि आवाज सुन हजारों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। गाड़ी के चार डिब्बे नीचे उतर गए तो शेष पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। इस दौरान वाराणसी- लखनऊ रेल यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। वहीं जानकारी होने के बाद मौके पर रेलवे के अधिकारी भी पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू किया।

# पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल, गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बाइक चोरी कर बेचता था नेपाल में

लखनऊ। हसनगंज के नए पक्का पुल पर बुधवार देर रात करीब 10.30 बजे पुलिस व बदमाश की मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में शातिर बाइक चोर अयान मोहम्मद खान उर्फ शोएब घायल हो गया। उसके दाहिने पैर पर गोली लगी है। पुलिस ने उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। मौके से पुलिस ने एक बिना नंबर की बुलेट व असलहा बरामद हुआ है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी जुटा रही है।

एडीसीपी उत्तर प्राची सिंह के मुताबिक मूलरूप से गुजरात के अहमदाबाद का रहने वाला अयान उर्फ शोएब सआदतगंज इलाके में किराए पर रहता है। वह लखनऊ में बाइक चोरी करता था। जिसे नेपाल में बेचने के लिए जाता था। वहां बाइक की अच्छी कीमत मिलती है। बुधवार देर रात करीब 10.30 बजे हसनगंज पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम पक्का पुल के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी बीच अयान बिना नंबर के बुलेट से उधर से जा रहा था। पुलिस ने रोका तो उसने रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस ने घेराबंदी कर नए पक्का पुल के पास घेर लिया। खुद को घिरता देख अयान ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जबावी फायरिंग में अयान के दाहिने पैर में गोली लगी।

# सामूहिक दुष्कर्म मामले में पूर्व मंत्री गायत्री समेत तीन दोषी करार

» कोर्ट 12 नवंबर को सुनाएगी सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एमपी-एमएलए कोर्ट ने बुधवार को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में प्रदेश के पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति समेत तीन को दोषी करार दिया है जबकि इसी मामले में गायत्री का गनर और पीआरओ समेत चार साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिए गए हैं। विशेष जज पवन कुमार राय ने गायत्री समेत तीनों अभियुक्तों को आईपीसी की धारा 376 डी व पाक्सो एक्ट की धारा 5जी/6 के तहत दोषी पाया। आईपीसी की धारा के तहत उम्र कैद जबकि पाक्सो की धारा के तहत मृत्युदंड की सजा का भी प्रावधान है। सजा पर 12 नवंबर को सुनवाई होगी।

पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को सामूहिक दुष्कर्म के इस मामले में मार्च 2017 में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने उनके अलावा दो अन्य अभियुक्त आशीष शुक्ला व अशोक तिवारी को भी दोषी करार दिया है। गायत्री के गनर रहे चंद्रपाल, पीआरओ रूपेश्वर उर्फ रूपेश व एक वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी के बेटे विकास वर्मा तथा अमरेंद्र सिंह उर्फ पिंटू के खिलाफ कोर्ट ने साक्ष्य नहीं पाया और उन्हें बरी कर दिया गया। विशेष जज ने इस मामले में झूठी गवाही देने व सबूत छिपाने के मामले का भी संज्ञान लिया है। बुधवार को अदालत के समक्ष गायत्री समेत सभी अभियुक्त जेल से आकर उपस्थित थे। गौरतलब है कि 18 फरवरी, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गायत्री प्रसाद प्रजापति व अन्य छह अभियुक्तों के खिलाफ थाना गौतमपल्ली में सामूहिक दुष्कर्म, जानमाल की धमकी व पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था।

# बाल रोग विशेषज्ञ कफील बर्खास्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कफील को बर्खास्त कर दिया गया है। वह कॉलेज में आक्सीजन की कमी से हुई बच्चों की मौत के बाद से निलंबित थे और डीजीएमई महानिदेशालय से संबद्ध चल रहे थे। इस बीच अलग-अलग मामले में हाईकोर्ट में भी सुनवाई चल रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव आलोग कुमार ने उनके बर्खास्त किए जाने की पुष्टि की है।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में अगस्त 2017 में ऑक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद 22 अगस्त को डॉ. कफील को निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ जांच चल रही थी। डॉ. कफील ने निलंबन को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस बीच उनके खिलाफ दोबारा जांच के आदेश दिए गए, जिसे उन्होंने कोर्ट में फिर चुनौती दी। इस पर सरकार ने 24 फरवरी 2020 को दोबारा जांच के दिए गए आदेश वापस ले लिए थे। इस बीच जांच रिपोर्ट लोक सेवा आयोग को भेजी गई। आयोग ने डॉ. कफील को बर्खास्त कर दिया। इस संबंध में बुधवार को आयोग से चिकित्सा शिक्षा विभाग को आदेश भेज दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आयोग ने डॉ. कफील को बर्खास्त कर दिया है। जल्द ही आगे की कार्यवाही की जाएगी।

# राजस्थान में होंगे राजनीतिक बदलाव: सचिन पायलट

» गहलोत के दिल्ली दौरे के बीच मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

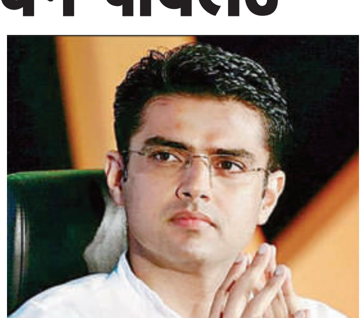

टोंक। सीएम अशोक गहलोत दिल्ली दौरे के बीच सचिन पायलट ने बड़ा बयान दिया है। पूर्व पीसीसी चीफ सचिन पायलट ने मंत्रिमंडल के फेरबदल के मुद्दे पर कहा कि दिल्ली में महासचिव वेणुगोपाल से मुलाकात हुई है। हम जिस बदलाव की मांग कर रहे थे उसी को लेकर चर्चा है। पायलट बोले हम सिर्फ सभाओं में भाषण देकर चले आते हैं। हमारी मांग पार्टी का झंडा उठाकर संघर्ष करने वालों के मान सम्मान की है। सोनिया गांधी की ओर से गठित कमेटी ने अब तक सार्थक प्रयास किए हैं। अब चुनावों में महज 22 महीनों का समय बचा है। उम्मीद है जल्द राजनीतिक बदलाव होंगे।

पायलट ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री और एआईसीसी चर्चा कर रही है। अब इस पर आगे बढ़ने का समय आ गया है। पायलट ने इससे पहले बुधवार को दिल्ली में पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की थी। बातचीत के दौरान पायलट ने महंगाई के मामले पर भी केन्द्र सरकार को घेरा। सीएम अशोक गहलोत भी इस समय दिल्ली दौरे पर हैं। गहलोत मंगलवार रात को जोधपुर से दिल्ली गये थे। सीएम गहलोत ने दिल्ली पार्टी के कई नेताओं से मुलाकात की थी। गहलोत के दिल्ली दौरे को लेकर राजस्थान में सियासत गरमायी हुई है।

# सरकार की नीतियों के कारण रक्षक से भक्षक बनी पुलिस!

» पुलिस हिरासत में लगातार हो रही हैं मौतें, मानवाधिकारों का हो रहा हनन

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब कासगंज में एक युवक अल्ताफ की पुलिस हिरासत में मौत हो गयी। युवक पर लड़की को अगवा करने का आरोप था। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने युवक को इतना पीटा की उसकी मौत हो गई। यह कोई पहला मामला नहीं है। सवाल यह है कि पुलिस तानाशाही रवैया क्यों अपना रही है? क्या प्रदेश सरकार की नीति इसके लिए जिम्मेदार है? ऐसे कई सवाल उठे चिंतक रविकांत, पूर्व आईएएस सूर्य प्रताप सिंह, पत्रकार रणविजय सिंह, दीपक शर्मा, अजय शुक्ला और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली परिचर्चा में।

रणविजय सिंह ने कहा, राष्ट्रीय मानवाधिकार की रिपोर्ट से साफ है कि पुलिस हिरासत में मौत के मामले में यूपी नंबर वन है। सरकार की शह के कारण हिरासत में मौत की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसी घटनाओं में पूरा थाना जुड़ा रहता है। अजय शुक्ला ने कहा, योगी सरकार संवेदनहीन हो चुकी है। मुख्यमंत्री ही जब ठोंकने का आदेश दें तो ऐसी ही घटनाएं होंगी। पुलिस निरंकुश हो चुकी है। रविकांत ने कहा, हिंदू-मुस्लिम की राजनीति हो रही है। योगी ने अपने सजातीय लोगों को पुलिस और प्रशासन में जगह दे दी है। इसका परिणाम है कि वे निरंकुश हो गए हैं क्योंकि वे जानते है कि उनका कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। अधिकारी और कर्मचारी भी सांप्रदायिक हो चुके हैं। सूर्य प्रताप सिंह ने कहा, राजनीतिक लोग पुलिस का दुरुपयोग करते रहे हैं। जब ऊपर से ही आदेश हो तो पुलिस मनमानी करेगी ही। सजा देना न्यायपालिका का काम है लेकिन यहां मुख्यमंत्री खुद न्यायपालिका बन गए हैं। दीपक शर्मा ने कहा, क्राइम कंट्रोल का पैमाना बदल गया है। जहां मानवाधिकार का उल्लंघन अधिक है उसे बैड पुलिस कहा जाता है। पुलिस रक्षक की जगह भक्षक बन चुकी है। यहां अधिकारियों पर एक्शन नहीं लिया जाता है। लिहाजा पुलिस निरंकुश हो गयी है।

**परिचर्चा**
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

# छठ महापर्व : उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने किया पारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उगी हो सूरज देव भोर भिनसरवां, अरघ की बेरिया पूजन की बेरिया हो... और करीं क्षमा छठीं मइया भूलचूक गलती हमार...जैसे छठ गीतों से गुंजायमान वातावरण के बीच आज व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ मइया से कोरोना मुक्त समाज बनाने और परिवार की समृद्धि की कामना की। मोबाइल पर ऑनलाइन छठ गीतों के बीच घाटों पर सुबह से ही व्रतियों का परिवार के साथ आने का सिलसिला शुरू हो गया था। सुबह पांच बजे तक लक्ष्मण मेला घाट के साथ ही खदरा के शिव मंदिर घाट, पंचमुखी हनुमान मंदिर घाट, झूलेलाल घाट व मनकामेश्वर उपवन घाट समेत गोमती के सभी घाटों पर व्रतियों का परिवार के साथ जमावड़ा लग गया था। धुंध के बीच पूर्व दिशा की ओर गोमती नदी में खड़ी महिलाएं सूर्योदय का इंतजार कर रही थीं।

फोटो: सुमित कुमार

छठ पर्व मनाने के लिए भोर में ही घाटों पर उमड़े श्रद्धालु

# भाजपा ने सपने दिखाकर वोट लिया और जनता को बदले में दे दी महंगाई : अखिलेश यादव

## किसानों के साथ खड़ी है समाजवादी पार्टी

### यूपी में चल रही है ठोंको नीति

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा यूपी में ठोको नीति चल रही है। जेलों में कैदी पुलिस और पुलिस कैदी को ठोक रहे हैं। वहीं पुलिस हवालात में युवकों की जान ले रही है। महिलाएं भी सुरक्षित नहीं है इस सरकार में। अखिलेश ने कहा जनता परिवर्तन चाहती है। बदलाव चाहती है। धोखेबाज व झूठी सरकार को इस बार के चुनाव में सबक सिखाकर रहेंगे। बता दें कि चुनाव में ओबीसी वोट कितना महत्व रखता है यह शायद बताने की भी जरूरत नहीं। ऐसे में सभी दलों की नजर ओबीसी वोट बैंक पर ही है। इसी कड़ी में आज अखिलेश यादव कश्यप समाज को टारगेट कर उन्हें अपने पाले में लेने के प्रयास में हैं।

» कश्यप समाज को साधने के लिए सपा प्रमुख का मुजफ्फरनगर में सम्मेलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों में है। ऐसे में पूर्वांचल दौरे के बाद अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव वेस्ट यूपी पर फोकस कर रहे हैं, ताकि यहां पर अपनी पकड़ बना पाएं। ऐसे में अखिलेश यादव मुजफ्फरनगर के बुढाना में कश्यप सम्मेलन को संबोधित कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2022 में बदलाव तय है।

किसानों और नौजवान ही भाजपा का सफाया करेंगे। उन्होंने कहा मुजफ्फरनगर के लोगों ने कभी सपा को निराश नहीं किया है। इस बार भी भाजपा को सबक सिखाकर रहेंगे। उन्होंने कहा कश्यप समाज की जो भी मांगें हैं, उनको समाजवादी सरकार पूरा करेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि अभी बहुत सारे गठबंधन होने हैं, जल्द ही एक बड़ा गठबंधन होगा। अखिलेश ने कहा हम दलों को जोड़ रहे हैं। किसानों को, नौजवानों को, व्यापारियों को, सभी को जोड़ना व एक साथ रखना ही सपा का ध्येय है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने सपने दिखाकर वोट लिया मगर सत्ता में आने के बाद आपका हक मारा गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सरकार फैसले ले रही है, उससे साफ है कि आने वाले समय में जनता का सब छिन जाएगा। उन्होंने किसान भाइयों से कहा कि क्या आय दोगुनी हुई, नहीं न। अखिलेश ने कहा जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से आय बढ़ी नहीं बल्कि घट गई है। महंगाई चार गुना बढ़ गई है। अखिलेश यादव ने कहा सपा काले कृषि कानून का विरोध तब तक करेंगी जब तक किसान भाईयों की बात नहीं सुनी जाएगी। उन्होंने कहा सपा सदैव किसानों के साथ खड़ी है। बताया जा रहा है कि सपा में आए दिग्गज जाट नेता हरेंद्र मलिक के घर भी अखिलेश यादव जाएंगे।

सम्मेलन में राज्यसभा संसद विशम्भर प्रसाद निषाद ने कहा कश्यप सम्मेलन के जरिये मुजफ्फरनगर की जनता यह बता रही है कि कश्यप, निषाद और अन्य जाति के लोग सपा का साथ दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस बार के चुनाव में पूरे प्रदेश में खूब साइकिल चलने वाली है। किसानों के मुद्दे और महंगाई पर वह जनता से संवाद करेंगे।

# ओलिंपिक खिलाड़ियों के कोचों का तिरस्कार कर रही यूपी सरकार

» पैरा बैडमिंटन कोचों का आरोप- दोहरी नीति अपना रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार आज मेरठ में जहां टोक्यो पैरा ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाले आठ राज्यों के 17 खिलाड़ियों के हौसले का सम्मान कर रही है तो वहीं यूपी के कोचों में खासी नाराजगी है। पैरा ओलिंपिक कोचों ने खिलाड़ियों के सम्मान को तो सही ठहराया। वहीं कोचों के साथ यूपी सरकार द्वारा दोहरा रवैया अपनाने से नाराजगी भी जताई है। अधिकतर कोचों का यही कहना है कि सबका साथ सबका विकास की बात करने वाली यह भाजपा सरकार हम लोगों के साथ दोहरी नीति अपना रही है। यह सरकार एक तरीके से कोचों का तिरस्कार कर रही है जो कि ठीक नहीं है।

कोचों का आरोप है कि चुनाव से पहले सरकार खिलाड़ियों के जरिए अपनी छवि को चमकाने में लगी है जबकि हकीकत यह है कि डिपार्टमेंट को आउटसोर्सिंग पर कर दिया गया। खेल निदेशक आरपी सिंह वेतन तक नहीं दे रहे है। आरोप यह भी है कि खेल मंत्री उपेंद्र तिवारी व खेल निदेशक आरपी सिंह की मिलीभगत के चलते यूपी में कोचों की अनदेखी की जा रही है और इसका खामियाजा यूपी सरकार को चुनाव में भुगतना पड़ेगा। लक्ष्मण अवॉर्डी व अंतरराष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी व पूर्व अंश कालिक सॉफ्ट टेनिस कोच यूपी शनीष मणि मिश्र ने पैरा खेलों में इकलौते द्रोणाचार्य अवॉर्डी और पैरा बैडमिंटन टीम इंडिया के मुख्य कोच गौरव खन्ना समेत यूपी के नौ कोच और सपोर्टिंग स्टॉफ को सम्मानित न करने के आखिरी वक्त पर लिए गए फैसले से भारी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जिन कोच और सपोर्टिंग स्टॉफ ने कोरोना काल में भी दिन-रात खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी, उन्हें ही अनदेखा कर दिया। यहां तक कि इस सरकार में क्रंट्रैक्ट तक खत्म कर दिया गया। पैरा बैडमिंटन शटलर पलक कोहली ने टवीट पर सीएम योगी को लिखा कि दिल से खुशी तभी होगी जब शिष्यों के साथ गौरव खन्ना सर का भी सम्मान किया जाए। उन्होंने ही दूसरे राज्यों के शटलरों को लखनऊ लाकर अपने दम पर ट्रेनिंग दी और उनके सिखाए खिलाड़ियों ने ओलिंपिक में देश को चार पदक जिताए। बैडमिंटन शटलर अबु हुबैदा के अनुसार सरकार को अपने कोच को सम्मानित न करके दूसरों को तरजीह देना दुखद है। खेल निदेशक आरपी सिंह को चाहिए कि पैरा खेलों की पूरी जानकारी हासिल करें ताकि सभी को सम्मान मिल सके। किसी का हक छीनना ठीक नहीं है।

### इनकी अनदेखी पर नाराजगी

यूपी से टीम इंडिया के मुख्य कोच बनकर टोक्यो गए पैरा ऐथलेटिक्स कोच राकेश कुमार, विपिन कसाना, डॉ. सत्यपाल सिंह, पैरा बैडमिंटन कोच गौरव खन्ना, फिजियो अनुराग दीक्षित, जयप्रकाश, ताइक्वान्डो कोच संध्या भारती, पैरा अर्चरी कोच कुलदीप कुमार और पावर लिफ्टिंग कोच जितेंद्र पाल सिंह।

### घर में अनदेखी से दुखद और क्या

"टोक्यो पैरालिंपिक में विजेता और प्रतिभाग करने वाले बैडमिंटन के सातों खिलाड़ियों को बीते पांच साल से ट्रेनिंग दे रहे हैं। दूसरे राज्यों से आकर शटलर यूपी में प्रेक्टिस करते हैं। अकेला ऐसा कोच हूं, जिसके पैरा शटलरों ने ओलिंपिक में देश को चार पदक जिताए हैं। बावजूद अपने घर में ही इज्जत न मिलना इससे दुखद क्या है।

- गौरव खन्ना, मुख्य कोच पैरा बैडमिंटन टीम इंडिया

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।